Patrika (Indore), 07th June 2025, Page – 01

आइआइटी इंदौर | एडमिशन के लिए कॉम्पटीशन, अब स्टूडेंट्स कर रहे रिसर्च बेस्ड चॉइस

अब 'मिनी टेक्नो हब' बन रहा टॉपर्स की पहली पसंद

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. जेईई एडवांस के रिजल्ट के बाद जोसा काउंसलिंग से आइआइटी में दाखिले की दौड़ शुरू हो गई। आइआइटी एडमिशन की प्रक्रिया भले ही ऑल इंडिया रैंक के आधार पर तय होती है, पर इसमें शहरों की पहचान और संस्थान के समग्र विकास का प्रभाव नजर आने लगा है। तकनीकी शहरों के रूप में उभरते नए केंद्रों की चमक पुराने टियर-1 आइआइटी की दहलीज तक पहुंच रही है। इसी में 'मिनी टेक्नो हब' इंदौर भी शामिल हो गया। कभी आइआइटी बॉम्बे, दिल्ली और मद्रास की टॉप ब्रांचेज हासिल करना प्राथमिकता मानी जाती थी। अब स्टूडेंट्स की सोच लोकेशन या प्रतिष्ठा तक सीमित नहीं है। आइआइटी इंदौर अब एडवांस रैंक 1200 से 1500 के बीच के स्टूडेंट्स की टॉप लिस्ट में आने लगी हैं।

इंदौर क्यों बन रहा स्टूडेंट्स की पसंद?

- **टेक्नोलॉजी और एजुकेशन का संतुलन:** इंदौर सिर्फ एजुकेशन हब नहीं रहा, एआइ, एमएल, डेटा एनालिटिक्स, साइबर टेक्नोलॉजी स्टार्टअप्स केंद्र बनता जा रहा है।
- **90% प्लेसमेंट रेट और 21 लाख रुपए का औसत पैकेज :** ये आंकड़े किसी भी टियर-1 आइआइटी से टक्कर लेने वाले हैं।
- **जीवनशैली :** क्लीन सिटी, बेहतर ट्रांसपोर्ट, किफायती रहन-सहन और सुरक्षित माहौल, स्टूडेंट्स के लिए एक परफेक्ट कम्पोजिशन।
- **रिसर्च कल्चर:** इंदौर आइआइटी ने कुछ वर्षों में अपने शोध पत्रों, पेटेंट और इनोवेशन को लेकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

प्रतिवर्ष घट रही क्लोजिंग रैंक

आइआइटी इंदौर में कम्प्यूटर साइंस ब्रांच की क्लोजिंग रैंक हर साल घट रही है। वर्ष 2022 में 1583, 2023 में 1376, 2024 में 1245 थी। इससे 2025 में यह 1100 से 1150 के बीच रह सकती है।